संसार का हर पिता अपनी बेटी से
जो कहना चाहता है उन सारी बातों का प्यारभरा,
वात्सल्यपूर्ण और प्रेरक उद्‌गार

मेरी लाड़ली बेटी को

दिलीप भट्ट

RUDRA
PUBLICATION
...publishing positivity...

25/B, Govt. Society, B/h, Municipal Market. Off. C.G. Road,
Navrangpura, Ahmedabad - 380 009.
Ph. : 079-26447393 • Mobile : 098259 25947
email : rudrapublication1@gmail.com
www.rudrapublication.com • Buy online www.clickabooks.com

For Home Delivery : Mobile : +91-99241 43847

मेरी लाड़ली बेटी को

दिलीप भट्ट

Copyright © Adhia International

All Rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any for or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the prior written permission of the copyright owner.

1st Edition : 17 September, 2013

Price : ₹ 60/–

: Hindi Translation :
Paresh Kumar

: Design & Layout :
Manu Patel
9898390057

: Printing :
Rudra Publication
Ahmedabad
098 259 259 47

: Publisher :
Adhia International
Ahmedabad

यह पुस्तक भेंट देने के लिए थोक ऑर्डर पर विशेष डिस्काउन्ट दिया जायेगा। इसके साथ ही भेट देने वाले का नाम और संदेश लिखा एक अतिरिक्त पृष्ठ पेस्ट किया जायेगा।

सस्नेह

यह पुस्तक

..... को

सप्रेम अर्पण करते हुए असीम हर्ष का अनुभव करता हुं ।

मेरी बेटी इस पुस्तक का प्रत्येक शब्द मैंने तुझे ही ध्यान में रखकर तेरे लिए ही लिखा है यह मानकर तु इसे हृदय में स्थान देना ।ॉ

याद रखना मेरा आशीर्वाद हर कदम पर तेरे साथ है ।

.....

.....

लेखक का कथन

गुजराती में इस पुस्तक की लोकप्रियता के कारण इसके पंद्रह संस्करण प्रकाशित हो चुके है और हिन्दी भाषी पाठकों की मांग को ध्यान में रखकर इसका हिन्दी भाषा में भी यह प्रथम संस्करण प्रकाशित हो रहा है ये खुशी की बात है।

डॉ.जितेन्द्र अढिया एक नयी तरह का सकारात्मक आंदोलन चला रहे है। जब सारे लोग इस दुनिया को बाहर से ठीक करने निकल पडे है तब उन्होंने लोगों को आंतरिक समृद्धि देने की मानो शपथ ली है। डॉ. अढिया ने मेरी पुस्तकों को पूरे उत्साह के साथ विश्वभर के भारतीयों तक पहूंचाने का प्रयास किया है वो किसी भी लेखक के लिए खुशी की बात हो सकती है।

पिछले कुछ सालों से मैं उनके इस यज्ञकार्य में सक्रिय रुप से जुड़ा हुआ हुं। उनकी निष्ठा, सालस स्वभाव और वचनबद्धता सभी के लिए प्रेरक है।

यह पुस्तक भी उसी दिशा में एक नया कदम है। पिता के द्वारा बेटे के अर्धजाग्रत मन का यहां प्रोग्रामिंग किया गया है। अपने बेटे के सुख की कामना करनेवाला कोइ भी पिता यह पुस्तक वात्सल्यपूर्वक अपने बेटे को दे सकता है और निश्चित रुप से इसके बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे इसका मुजे भरोसा है।

मेरी बेटी भूमिका को कैसे भूलुं ? उसके लिए और उसके जैसी लाखों बेटीयों के लिए यह पुस्तक लिखी गयी है इसका मुजे गौरव है। 'मेरे प्यारे बेटे को' पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी पाठकों का बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला है। आपके प्रतिभाव मेरा उत्साह और आनंद बढायेंगे।

- दिलीप भट्ट

शब्दरथ के सारथि

श्री दिलीप भट्ट पिछले पचीस सालों से पूरे अहमदाबाद में अपनी प्रवचन कला से प्रचलित है। आपने आज तक कई सार्वजनिक प्रवचन दिए है। खुशी की बात यह है की आप वर्गशिक्षा अर्थात क्लासरुम टीचिंग के प्रखर पुरस्कर्ता है। नयी पीढ़ी के शिक्षाविद् होने के साथ साथ आप एक अच्छे गद्यकार भी है। आपकी वाणी की मोहीनी का हम में से कइ लोगों को अनुभव हो चूका है। व्यक्तिगत जीवन में आप लेखक, पत्रकार, माध्यमिक शिक्षक एवम् उच्च शिक्षा में इन्टरनेट जर्नालिजम के अध्यापक है। आप युनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन दिल्ली के रीसर्च फेलो भी है।

'गुजरात समाचार' दैनिक में 'कॉफि हाउस' और 'हृदयकुंज' जैसी लोकप्रिय कॉलम और 'संदेश' दैनिक की 'सुप्रभात', 'संसार', और 'प्रतिबिंब' जैसे लोकप्रिय कॉलम भी आपने लिखे है। एक विराट पाठक समूह का आपको प्यार मिला है। गुजराती में आपने 'असामान्य ज्ञान' नामक एन्साइक्लोपीडिया ग्रंथ भी दिया है। साथ ही मनोविज्ञान के अभ्यासी होने के कारण आपने अर्धजाग्रत मन की शक्तिओं पर आधारित वामलोक नाम की नवलकथा भी लिखी है। विश्व की दो महान भाषाएं अंग्रेजी और संस्कृत का आप में समन्वय देखने को मिलता है। अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में आपने संस्कृत का अध्यापन भी किया है। युनिवर्सिटी के उच्च शिक्षा केन्द्र में आप संवाहक की जिम्मेदारी भी अदा कर चूके है। वर्तमान समय में आप बी.एड और पी.टी.सी कॉलेज के को-ऑडिनेटर की जिम्मेदारी अदा कर रहे है।

अपने आज तक के जीवन काल में आप अनेक साधु संत, साधक, रहस्यमयी ज्ञानमार्गी, उच्च स्तर के उपासक, और देश विदेश के मोटिवेटर्स – ट्रेनर्स के सीधे संपर्क में रहे है। आप खुद एक अच्छे ट्रेनर है। केम्ब्रीज युनिवर्सिटी के अहमदाबाद के इन्टरनेशनल सेन्टर के साथ भी आप जुडे है। इन्टरनेट की कई वेबसाइट पर मन की अगाध शक्तिओं पर लिखे आपके मौलिक अनुभवपूर्ण एवम् चिंतनीय विचार प्रकट हुए है। पूर्व और पश्चिम के देशों की किताबों का व्यापक अध्ययन आपकी वाणी को दैदीप्यमान बनाता है। प्रकृति से भावनाशील, स्वाभिमानी, आत्मविश्वासु और सात्विक होने के साथ आपने विज्ञान और टेक्नोलोजी पर भी कई अभ्यासपूर्ण लेख लिखे है।

- डॉ. जितेन्द्र अढिया

अनुक्रम

प्यारी सी गुडिया ९
पापा की आजीवन प्रशंसक १०
तुम्हारे हृदय का गीत ११
बेटी को सुखी देखने का सपना १२
तुझ में श्रद्धा - तुझ में विश्वास १३
आधी कन्या बिदाइ १४
मुझे तुम्हें कुछ कहने की जरुरत नहीं १५
बिस्कीट, चॉकलेट और.... ..... १६
तुम्हारे बाद की पीढ़ी १७
किताबों की सौगात १८
प्यारा सा घर १९
तुम्हारा बर्ताव ही तुम्हारी पहचान २०
शब्द और मौन २१
तेरे अंतःकरण की समृद्धि २२
तेरी चतुराइ २३
तेरा गीत तू गाती रहना २४
सदा वसंतम् २५
दूसरों के दुःख का विचार २६
तेरे लिए यह दरवाजे हमेशां खुले है २७
सत्य की उपासना २८
तेरी आवाज की गूंज २९
तू अपनी आत्मा की अनुयायी ३०
तुम्हारी माता का सम्मान करना ३१
ऋतुओं के आह्लादक अनुभव ३२

सूर्य यानी की परमपिता ३३
सुवर्णमृग ३४
विराट काफ़िला ३५
पूर्णिमा और पूर्णता का सौंदर्य ३६
शब्दशक्ति ३७
उसमें क्या नयी बात है ? ३८
क्षण और कण ३९
विश्वास-श्रद्धा ४०
कार्य और कर्म ४१
अलंकार का वैभव ४२
पुष्पमाला की ओर ४३
घूंघट के पीछे की कथा ४४
सांप-सीढ़ी ४५
बारीश और तू ४६
हराभरा अनुभव ४७
मन डांवाडोल होगा ४८
सांझा सुख ४९
तुम गिरते गिरते बच जाओ तब ५०
शादी-लगन ५१
आगे कदम ५२
श्वास और विश्वास ५३
जीवन से जीवन का निर्माण होता है ५४
सपनों की परवरिश ५५
कोरी बुद्धि का क्या काम ? ५६
दीपक और सूर्य ५७

मेरी प्यारी बेटी,
आज नहीं तो कल,
तुम्हें जाना है मुजसे दूर,दूर...
तुम अपने ख़्वाबों की एक नयी ज़िंदगी
शुरु करोगी तब वहां होगी,
मेरे सुवचनो की कुछ यादें,
जो तुम्हारी राह में उजाला करेगी।

मेरी लाड़ली बेटी को

प्यारी सी गुडिया

मेरी प्यारी बेटी, तुने जिस दुनिया में जन्म लिया है,
वह तेरे आने से पहले ही
अंधेरे और उजाले में बँट चूकी है।
तुम जिस ओर खडी रहोगी वही तुम्हें मिलेगा।
अंधेरे के पास है निराशा, उदासी और अफसोस,
उजाले के पास है आशा, खुशी और उमंग।
बेटी, हम उजाले के रास्ते ही आगे बढे हैं,
और उजाले का रास्ता ही हमारा भविष्य है।
मैं तुम्हारे कानो में उपदेश के बदले,
झरनों का सुरीला संगीत सुनाना चाहता हुं।
घर की दहलीज को लक्ष्मण रेखा बनाने के बदले
आकाश और धरती का असीम सौंदर्य
तुम्हारी आंखों में पिरोना चाहता हुं।
तू मुजे सबसे प्यारी है, मेरी बेटी।
मैं तेरे नासमझ बचपन के उस पार
समजदारी के सुहाने रंग भरना चाहता हुं।
बेटी, संस्कार का कभी बोझ नहीं लगता,
संस्कार से ही हमें सुकुन और स्वाभिमान मिलता है,
संस्कार से ही हमारी ज़िंदगी इतनी प्यारी है,
वही हमारी सच्ची पूंजी है।

पापा की आजीवन प्रशंसक

तेरी बात सही है बेटी कि,
तेरे पापा जैसा दूसरा कोइ भी इस दुनिया में नहीं है,
इस बात को तुम बढा चढाकर न कह दो इसका खयाल रखना।
संभव है कि मैं तुम्हारे लिए जितना मायालु और प्यार करनेवाला हुं,
उतना दूसरों के प्रति अभी तक न बन पाया हुं।
ऐसा भी हो सकता है कि,
मुझे, तुम पर जितना भरोसा है
उतना इस दुनिया पर न हो,
मैं तुम्हारी बात जितनी सच्ची मानता हुं,
उतना दूसरों की बातों पर शंका रखुं।
मेरी प्यारी बेटी,
तुम मुझे जितना परिपूर्ण इन्सान समजती हो,
शायद, मुझे उतना परिपूर्ण बनना अभी बाकी हो,
तुम्हें मुझसे जितना अच्छा अनुभव हुआ हो,
ऐसा दूसरों को मुझसे न भी हुआ हो।
क्योंकी तुम मेरी बेटी हो,
दूसरी बातें तो खैर दूसरी ही है,
लेकिन फिर भी मैं कोशिश करुंगा, की
तुम मुझे जैसा और जितना महान मानती हो,
वैसा महान मैं हमेशा बना रहुं।

मेरी लाड़ली बेटी को

तुम्हारे हृदय का गीत

मेरी प्यारी बेटी,
वेलेन्टाइन डे
जैसे दिन पर
डंडा लेकर निकलने वाले
बूढों जैसा तुम मुझे मत समजना।
मैं तो तुम्हारे हृदय का गीत
सूनने के लिए बेसब्र हुं।
मुजे पता है कि तुम भी
एक संवेदनशील मनुष्य हो,
और यही सबसे बडी बात है।
तुम्हारे संवेदन व्यर्थ हो जाए
उसकी फिक्र में
मैं कभी कठोर पथ्थर नहीं बनूंगा,
इस बात का तुम भरोसा रखना।
क्योंकि तुम तुम्हारे यौवन में
जो गीत गुनगुनाओगी,
वह पवित्र, निर्मल और प्रसन्न होगा।

तुझ में श्रद्धा - तुझ में विश्वास

जब कभी जंगल में मोर नाचे और आकाश में
काली घनघोर घटायें छा जाए,
अचानक बारिश होने लगे
तब मेरी प्यारी और भोली से बेटी
मेरा मन करता है की मैं यह बारिश तुम्हें दिखाउं।
तुम्हारी तुतली और प्यारी बोली में मैंने सुने हुए,
बारिश के गीत मेरे मन में बरसने लगते हैं।
तुमने पहली बार अपने नाखून पर रंग लगाया था,
तब वही रंग तुम्हारी आंखो में कैसा चमक रहा था।
मेरी प्यारी बेटी तब तुम जीवन के सभी रंगो से काफि दूर थी।
तुमने एक दिन मेरे बुट पहनकर,
घर में ब्रह्मांड की परिक्रमा जैसी लटार लगाइ थी
तब मेरी प्यारी गुडिया, तुम्हें जीवन पथ की पहचान नहीं थी।
तुम्हारी मां ने जब चम्मच से कडुवी दवाई पीलाइ थी
तब मेरी गुडिया तुम जीवन की कडवाहट को नहीं जानती थी।
एक फूल की तरह तुम खिली हो मेरे आंगन में,
तुम्हारे अतीत और भविष्य के बीच ही,
तुज में श्रद्धा और विश्वास रखकर,
मैंने हमेशां स्थिर रखा है अपने मन को,
तुम उस श्रद्धा और विश्वास को कायम रखना ।

आधी कन्या बिदाइ

मेरी बेटी, तुम्हें पहली बार पाठशाला में पढने भेजा तब,
मुझे कहां पता था की वह आधी कन्या बिदाइ थी,
एक पिता और एक पुत्री के बिछड़ने का वह आरंभ था!
फिर तुने मेरी उंगली पकडे बिना ही
अकेले ही गणित का एक लिखा था, झुले में बैठकर।
स्कूल के नये परिवार के बीच तुने अपनी जगह बना ली,
खेलते-गिरते तेरी आंखे नम हो गई थी,
वहां पर न मम्मी थी न पापा थे।
मेरी बेटी तू बडी हुइ है तो
अब वक्त उसे फिर से दोहराएगा,
हम बिछडेंगे, इस घर की शीतल छांव छोडकर
तुम अपनी ज़िंदगी को खुद नया रुप दोगी।
तू झुले में बैठकर खुश होगी,
ससुराल के नये परिवार के बीच अपनी जगह बनायेगी,
कभी कभी तुम्हारी आंखे नम भी होगी,
वहां न होगी मम्मी.. न होंगे पापा..।
मेरी प्यारी बेटी तू अब बड़ी हो गइ है,
अब ज़िंदगी की पाठशाला में ज़िंदगी का गणित..
ज़िंदगी का विज्ञान और ज़िंदगी की भाषा,
तुम्हें पढनी होगी और
उस में पहले नंबर से तुम पास होना है,
वादा करती हो न बेटा?

मुझे तुम्हें कुछ कहने की जरुरत नहीं

बेटी, तुम्हें पता है की बेटी का जन्म होने के बाद
दुनिया के हर एक पिता की एक ही प्रार्थना होती है,
की मेरी बेटी को सुखी करना।
पिता कहता है, अगर मेरी बेटी को एक कांटा लगे तो,
मुझे भले ही हजार कांटे लगे
लेकिन उसके हर रास्ते पर हमेशां फूल ही फूल रहना।
बेटी, तुम्हारे सुख के लिए मेरे शब्दों की जरुरत नहीं,
क्योंकी हर पिता का हृदय ही स्वयं
पुत्री के सुख की रट लगाता है।
न जाने क्यों लेकिन समझदारी के किस्से में
कुदरत ने भी बेटियों का पक्ष लिया है,
और इसीलिए मुझे तुम्हें कुछ कहने की जरुरत नहीं है क्योंकी
वह सब तू पहले से ही जानती हो।
तुम हमेशां मुझे भरोसा दिलाती हो
कि तुम वह सबकुछ जानती हो,
जो मुझे तुम्हें कहना होता है..
और इसीलिए मेरी गुड़िया..
मुझे तुम्हें कुछ कहने की जरुरत नहीं।

बिस्कीट, चॉकलेट और....

मेरी बेटी,
सर्दीओं की कातिल ठंडी रात में
मैं जब घर लौटकर आता था तब,
तू पालने में से सर ऊंचा कर
एक शब्द बोलती थी-पापा..
मेरी थैली में तुम्हारे लिए हमेशा रहते थे,
सुख नाम की चॉकलेट, या
क्रीम वाले बिस्कीट..या कोइ खिलौना..
जैसे जैसे तू बड़ी होती गइ,
वैसे वैसे...चॉकलेट और खिलौने
कम होते गये...
अब तू अपनी पैनी नजरों से देखती है
मेरी सफलताओं को..
मेरे पुरुषार्थ और मेरे आनंद को,
मेरे वर्तमान और मेरे भविष्य को।
मेरी प्यारी गुड़िया..
ऐसी ही प्यारी नजरों से,
तुम्हें ज़िंदगी को भी देखना है..
ज़िंदगी स्वयं एक वात्सल्यधारा है।

तुम्हारे बाद की पीढ़ी

बेटी तू अपने गले में
लोरी के सुर बहते रखना..
उस अमृत धारा को तुम सूखने मत देना।
उन कहानियों को अपने दिल में संभालकर रखना,
उन कथाओं को तुम भूल मत जाना।
कल छोटे से मासूम बच्चे तुम्हारे आंगन में खेल रहे होंगे
और तुम्हारी आंखो में एक उम्मीद से टकटकी लगाये देख रहे होंगे,
तब खिलौनों की कोरी आवाज़ में
तुम उनके रुदन को ढंक मत देना।
उनके सामने तुम इतिहास की उन महान घटनाओं को जीवंत कर देना,
जिसमें हर विकट संजोगो में भी
मनुष्य अपनी मानवता या सज्जनता को नहीं छोडता।
तुम उनके सामने वह किस्से बार बार दोहराना,
जिस में इन्सान सच्चाइ के दीए को जलता रखने के लिए,
हजारों तूफ़ानों का सामना करता है और जीतता भी है।
अपने या पहचान वाले अगर बेगाने हो जाए तब,
कुदरत की मनोहर गोद की आवाज सुनते रहकर..
उसे हराभरा रहने के लिए कहना।
मेरी बेटी, तू सुखी होगी तो अपनी संतानों को सुखी कर पाएगी,
इसीलिए सुखी होने की और सच्चाइ की राह पर चलने की
अपनी जिद्द को तू कभी मत छोडना।

किताबों की सौगात

तुझे पता है बेटी, श्रेष्ठ किताबों में कुछ बातें तो ऐसी होती है कि,
उसे पढ़ने के लिए ही हमने जन्म लिया हो ऐसा अहसास होता है।
मैं अपने पूरे दिन में उसी वक्त को श्रेष्ठ मानता हुं
जब मैंने कुछ उच्च कोटि का साहित्य पढा हो।
मैं जैसे ही किताब का पन्ना खोलता हुं मानो तुरंत ही,
किसी नयी दुनिया में प्रवेश करता हुं।
पढ़े हुए सारे तथ्य, सत्य और ज्ञान को
हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी की कसौटी पर रखकर परखता हुं,
उसके बाद जो तत्व मिलता है वही जीवन का सच्चा रसायण है।
जन्म के साथ तो केवल चेतना ही मिलती है, जिसे पाना कठिन होता है,
लेकिन जीवन तो अच्छी परवरिश के बाद ही मिलता है।
जिसे अपनी ज़िंदगी को संवारना हो उसे,
किताब के पहिए पर अपनी मिट्टी का लोंदा रखना ही पडता है।
बेटी, सौ विकल्प ढूंढे गये है लेकिन किताब का कोइ विकल्प नहीं है।
मेरा बस चले तो शादी के वक्त तुझे दहेज में
दुनिया की श्रेष्ठ हजारों किताबें दे दुं।
कोइ भी पिता अपनी लाडली के लिए
इससे बेहतर दहेज कुछ नहीं दे सकता।
ऐसी ही ये संपत्ति और ऐसा है ये सुख।
मेरी लाडली बेटी, मैंने किताबों में तेरी रुचि जगाइ है उसे बढाते रहना,
उसे विराट वृक्ष बनने देना,
तेरे बाद की पीढ़ीयों के लिए वही वृंदावन बनेगा।

प्यारा सा घर

मेरी बेटी तुम्हारा भी
प्यारा सा घर होगा।
जैसे पंछी सजाते है अपना घोंसला,
वैसे ही तू भी उसे सजाएगी,
अपनी ज़िंदगी का पेड और उसकी हर एक डाली।
दिन भर की मेहनत के बाद शाम को घर लौटेगा तुम्हारा पति,
जिसकी तू पल पल राह देखती हो,
उसके आने से महक उठेगा तुम्हारा मन,
तुम्हारी तन्हाइ का साथी और अंतरंग सहयात्री।
वह जानेगा तुम्हारा हृदय,
तुम्हारी कल्पनासृष्टि का साक्षी,
तुम्हारे सपनों को साकार करनेवाला उत्साह।
बेटी, जैसे मैं और तुम्हारी मम्मी,
वैसे ही तुम और तुम्हारा जीवनसाथी।
एक दूसरे को पहचानने से भी सरल होते है
गणित के सवाल, जिंदगी का गणित ऐसा है की,
उसे समजने के लिए धैर्य रखना पडता है
और वह धैर्य तुझमें है।
वही तुम्हारा सच्चा घर है। वही तो है सुख से सभर सृष्टि।

तुम्हारा बर्ताव ही तुम्हारी पहचान

इजिप्त के पिरामिड, चीन की दीवार,
या संगेमरमर के प्यारगीत सा ताजमहल,
संसार का अजुबा है,
लेकिन बेटी, तुम्हारी आंख में,
मैं अपना चमकता प्रतिबिंब देखता हुं,
उससे बडा अजुबा मेरे लिए और कोइ नहीं है।
पिता के नाम से उनकी पुत्री के रुप में
अपनी पहचान रखने के स्वाभिमान से
संसार की कोइ भी पुत्री मुक्त नहीं है !
लेकिन पिता की पहचान तो
तुम जिस ज़िंदगी को जीती हो वही है।
तुम्हारा व्यवहार ही मेरी बात करता हो,
मेरी पहचान देता हो,
उससे ज्यादा मजेदार बात और कोइ नहीं।
मेरी लाड़ली बेटी,
तुम्हें जन्म देकर
कुदरतने मेरे धर्म और संस्कार की कसौटी की है।
मुजे पास होना है या नापास
यह अब तुमसे ही तय होगा,
संसार की कोइ भी बेटी नहीं चाहती की
उसके पिता नापास हो।

शब्द और मौन

संसार में
मौन की भी एक भाषा है,
मौन मैं है हां और ना ।
बेटी, मौन कइ बार हमें,
दु:खदायक अकस्मातों से बचाता है।
मौन कइ बार हमारी प्रतिष्ठा बढाता है।
मौन एक मूल्यवान संपत्ति है।
बेटीयों को मौन
सहज रुप से वरदान में मिला है,
अपने हर शब्द को बोलने से पहले
तू उसे मौन के सरोवर में नहला देना,
क्योंकी बोला गया हर शब्द
एक बंधन होता है बेटी।
तू अपने मौन की मालिक है,
लेकिन
तेरा शब्द इस संसार की संपत्ति है,
मौन से तू अपने मन मधुवन को पहचान लेना।
मौन से तेरे शब्द की प्रतिष्ठा बढेगी।

तेरे अंत:करण की समृध्दि

बेटी,
सारी दुनिया सोई होगी,
तब सुबह सुबह में
तेरी आंख खुलेगी,
सूर्य के रथ की घंटिया
पूर्व दिशा से सुनाइ दे,
और पंछी अपने घोंसले छोड़कर,
चहचहाते हुए उड जाए,
उससे पहले,
मेरी बेटी तू जाग जाना।
नये दिन में
सुख की रंगोली सजाने,
तू अपने विश्राम का त्याग कर देना।
सुबह और शाम कुदरत के सामने,
नमन करते हुए,
शांत मन से,
तू अपने विशुद्ध आंतरजीवन को
समृद्ध बनाती रहना।

तेरी चतुराइ

चतुराइ और चालाकी के बीच फर्क है बेटी,
यह दुनिया चालाक है ऐसा मत मानना।
वह चतुर है ऐसा ही समजना,
और तू भी चतुराइ रखना।
दूसरों की प्रशंसा करके कुछ छीन लेना,
यह चतुराइ नहीं पर चालाकी है।
दूसरों के सुख को कम किए बिना,
अपना सुख बनाए रखना चतुराइ है।
दूसरों के हित का नुक्शान किए बिना,
अपने हितों की सुरक्षा करना चतुराइ है।
दूसरों को अशांत किए बिना
खुद शांति का अनुभव करना,
दूसरों को धूप दिए बिना..
खुद छांव पाना,
दूसरों को मूर्ख साबित किए बिना अपनी होशियारी बताना,
दूसरों को पीछे छोडे बिना.. खुद आगे निकल जाना,
दूसरों को हराये बिना, हमेशां जीतते रहना
यह सब काफि मुश्किल है बेटी।
इसीलिए इसमें चतुराइ की जरुरत पडती है,
तेरे अंदर की चतुराइ से मुजे चैन मिलता है।

मेरी लाड़ली बेटी को

तेरा गीत तू गाती रहना

बेटी, सिंह टोली में नहीं होते
क्योंकी उन्हें भेड़ बन जाने का डर होता है।
झुंड के पास होते है असंख्य मस्तिष्क,
लेकिन बुद्धि नहीं होती।
झुंड के कइ हाथ होते है,
लेकिन वह सर्जनशून्य होते है।
झुंड के पास होता है दिशाविहीन जहाज,
और लक्ष्यविहीन तीर, सामर्थ्यविहीन बल
और पात्रविहीन शस्त्र।
मेरी प्यारी बेटी,
तुम भी नागरिक हो,
ऐसे किसी झुंड का हिस्सा होने से
अपने आप को बचाना।
भले ही तुम्हारी आवाज में
कोइ आवाज न मिलाए,
लेकिन तुम अपना गीत
अकेले भी गाती रहना।
आज नहीं तो कल
तुम्हारा गीत सुनने के लिए वक्त ठहर जाएगा,
तुम्हारा स्वर और शब्द
सबके पास पहूंचेगा।

सदा वसंतम्

फैशन और लेशन के बीच उलझ जाते है,
कुछ प्रवासी, कुछ पंछी।
फैशन का अर्थ अधर्म नहीं है बेटी,
वक्त से थोडा आगे चलने की
इन्सानी तमन्ना उसमें छिपी होती है।
अगर तुम्हें वक्त से आगे चलना हो,
और जगत को चकाचौंध कर देना हो,
तो उसका श्रेष्ठतम् उपाय है ज्ञान।
अपने ज्ञान के प्रकाश से
इस विश्व के भविष्य को तू ओजस्वी बना पाए
तो तू हमेशां युवा रह पाओगी।
फैशन, हम जैसे हो
उससे ज्यादा सुंदर दिखने में हमारी मदद करता है,
ज्ञान मदद करता है हम जैसे दिखते हो
उससे अधिक सुंदर होने में।
फैशन शायद, ज्यादा से ज्यादा प्रासंगिक ज्ञान हो सकता है,
लेकिन ज्ञान तो सर्वकालीन फैशन है मेरी बेटी,
दिखावे के बदले, कुछ होना ज्यादा अच्छा नहीं है ?

दूसरों के दुःख का विचार

मेरी गुड़िया,
बच्चा बचपन से वंचित रह जाए
इससे बड़ा और कोइ अभिशाप नहीं।
इस दुनिया में अनगिनत बच्चे
एक भी खिलौने के बिना बड़े हो रहे है
उनके बारे में तू कभी सोचना।
जब तुम्हारी आंखो के सामने भोजन की थाली हो
तब झोंपडी में मां के पास,
भूख से विह्वल चेहरों के बारे में सोचना।
कई बच्चे चोकलेट के
खाली कागज इकट्ठा करते है,
उन्हें तो यह भी पता नहीं है की
चगडोल में बैठकर
आकाश से दोस्ती कैसे की जाती है।
मेरी बेटी, दूसरों के दुःख के बारे में सोचते है,
तब धर्म की शुरुआत होती है।
संभव है की किसी अच्छे क्रांतिकारी विचार से
तू उनके आँसू पोंछने का
जादुइ रुमाल ढूंढ निकाले,
जिसकी इस विश्व को सदीयों से प्रतीक्षा है।

तेरे लिए यह दरवाजे हमेशां खुले है

सभी परिवारजनों से
एक सा स्नेह और आदर प्राप्त करना
तुम्हारे जीवन की सबसे बडी चुनौती है बेटी।
हमेशां केवल हम ही सच्चे हो ऐसा नहीं हो सकता,
दूसरे लोग भी सच्चे हो सकते है।
खासकर जब किसी व्यवस्था में हम नये हो तब,
सब कुछ समजने में,
हमारे संस्कारों का जतन कर,
अपनी मौलिकता को सही क्रम में व्यक्त करने में
आत्मसूझ और धैर्य की एक साथ जरुरत पडती है।
जिस बात का हमें अस्वीकार करना हो,
उसके अधिक बेहतर और नैतिक विकल्प देने की कला
हमें खुद विकसित करनी पडती है।
मेरी गुड़िया, ज़िंदगी जब यौवन में प्रवेश करती है तब,
तुम्हारी ही नहीं बल्की दुनियाभर की बेटीयों की,
अनुभवसृष्टि में बदलाव आता है।
तब तुम्हें आत्म ज्ञान की जरुरत होगी,
और यह आत्मज्ञान तुम्हें तुम्हारे पास ही मिलेगा, सही वक्त पर !
मेरी गुड़िया, तुम्हें जब कभी उलझन का अनुभव हो,
तब, हमारे घर और हमारे मन के दरवाजे
तुम्हारे लिए हमेशां खुले है।

सत्य की उपासना

चाहे कितना ही
विकराल या विराट सत्य हो,
तू निर्भयता से उचित समय पर
उसका उच्चार करना।
बेटी, थोडा सा झूठ बोलने से
कई समस्याओं से बचा जा सकता है,
ऐसा मानना केवल भ्रम ही है।
अगर ऐसा मानकर जिन लोगों ने
थोडे से वक्त के लिए भी
झूठ बोलने की शुरुआत की है,
तो, वो इस संसार के
जंगल में खो गये है।
बोले जा रहे सच को
तुम पकड कर रखोगी,
तभी ज़िंदगी के सच का तुम्हें परिचय होगा।
मेरी लाड़ली बेटी,
आखिरकार तो
सत्य ही अध्यात्म है और सत्य ही विज्ञान है।
सत्य के उपासक को उपदेश की जरुरत नहीं है।

तेरी आवाज की गूंज

मेरी गुड़िया,
अगर तुम्हारे बुद्धि और परिश्रम के बदले
तुम्हें उचित बदला न मिले तो,
तुम निराश मत होना।
क्योंकि हीरे का मूल्य कम आंकने में
हीरे को नहीं पर जोहरी को ही नुक्शान होता है।
सूर्य, सुवर्ण और रत्नों का कभी प्रचार नहीं किया जाता,
वक्त आने पर वह खुद ही,
अपनी चमक दिखलाते है।
ऐसे सही वक्त की राह देखते सिखना
खुद पर रखा अटूट विश्वास है।
मेरी बेटी,
अगर कभी तुम्हारे आवाज की गूंज सूनाइ न दे,
कभी तुम पर अभिनंदनों की वर्षा देर से हो,
तुम जिस बात को महान मानती हो उसे,
कभी सब लोग आम बात मानें,
तो तब तुम निराश मत होना।
इस दुनिया ने अपने
कइ महान संतो को पहचानने में कइ बार विलंब किया है,
ऐसे विलंब के वक्त तु धैर्य रखना।

तू अपनी आत्मा की अनुयायी

बेटी,
किसी की समझदारी कम होती है,
तो किसी की ज्यादा।
जो लोग तुमसे कम जानते हो,
उनके प्रति तू अनुकंपा रखना।
जो लोग तुमसे ज्यादा जानते हो,
उनकी तू छात्रा बन जाना,
अनुयायी कभी मत बनना,
अनुयायी तो तू केवल
अपनी आत्मा की ही बनना।
चारों ओर से बह रहे झरनों को
तू अपने हृदय में समा लेना,
और अपनी वाणी में
उस ज्ञान के परिपाकरुप विवेक को
तुम प्रकट करना, मेरी बेटी।

तुम्हारी माता का सम्मान करना

बेटी, तुम हो अपनी मां की
निर्दोष और साफ प्रतिकृति।
तेरे होठों से निकलनेवाले शब्दों में
उसका सम्मान बना रहे उसका ध्यान रखना।
अपनी मां को प्यार करने वाला ही,
दूसरों की मां को प्यार कर सकता है।
सास और ससुर भी होते है माता-पिता।
तुम्हारी माता का शब्द तुम्हारे लिए धर्मशास्त्र,
तुम्हारी माता का स्नेह तुम्हारे लिए वात्सल्यधारा।
मेरी बेटी,
तुम अपनी माता के कदमों पर चलो या न चलो
लेकिन उसके कदमों को अपने हृदय में संभाल कर रखना।
घर में काम करते करते दुनिया की माताएं
अपनी बेटीयों के साथ जो बातें करती है,
वही तो है, संसार की सबसे बडी युनिवर्सिटी।
इसीलिए मेरी गुड़िया,
मुजे कइ बार तुम्हें कुछ नहीं कहना पडता,
क्योंकी बहुत सारी बातें तो,
तुम्हारी माता ने अपनी मीठी वाणी में
अमृत की तरह तुम्हें एक एक घूंट में समजाइ होती है।

ऋतुओं के आह्लादक अनुभव

बेटी, ग्रीष्म की धूप में कभी कभी
थोडी दूर तक तुम्हें चलना चाहिए।
पृथ्वी के पात्र को उलटा किए बिना,
सूर्य समंदर के जल को आकाश में कैसे ले जाता है,
वह भी तुम्हें जानना चाहिए।
सफलता का परिताप सूर्य को भी होता है।
चैत और बैसाख की धूल उडाती हवाएं कहती है की,
ज़िंदगी के मध्याह्न के वक्त हमें कठोर नहीं बनना चाहिए।
जो राजा बारिश में भीगता नहीं है,
उसकी प्रजा प्यासी रह जाती है।
बारिश में भीगे बिना
अन्न का माधुर्य नहीं समझ सकते।
घोंसले में छिपे पंछीओं को,
सर्दीयों की कातिल रातों के बिना,
कैसे पता चलेगा की,
विराट आकाश जितना ही महत्व है
एक छोटे से उष्मापूर्ण घोंसले का।
मेरी गुड़िया,
तू हर मौसम का उसकी पूर्णता के साथ अनुभव करना,
क्योंकी वह भी ज़िंदगी को जानने का ही रास्ता है।

सूर्य यानी की परमपिता

सूरज तो उदय और अस्त होता है।
उसके दिए गये उजाले में से
कुछ उजाले को हम अपना कर लेते है।
उसके उदय और अस्त पर ही
हमारा आधार है, बेटी।
सुबह को रसोइ घर में,
सूरज की किरनें खेल रही हो तब,
तुम उजाले के उस महान चमत्कार का
आश्चर्य से आनंद उठाना भूल मत जाना।
तुम्हारे साफ सुथरे आंगन में,
खिड़की के काच पर,
या पवन से लहराते पर्दे के आरपार
सुबह का सूर्य तुम्हें पूछे की,
'कैसी हो बेटी ?'-तब
दूर दूर से उसके भेजे संदेशे को
तू दिलोजान से पढना,
क्योंकी सूर्य तो
हम सबका सर्वकालीन पिता है, परम पिता,
मेरी गुड़िया।

सुवर्णमृग

तेरा ध्यान भी एक दिन उस ओर जाएगा,
तुझे भी उसका मोह होगा।
मेरी बेटी तुझे भी सुवर्णमृग की इच्छा होगी,
लेकिन तू उस ओर इशारा भी मत करना।
हम जिन्हें चाहते है
उनके और हमारे बीच कोइ सुवर्णमृग न आ जाए
उसकी सावधानी रखनी होगी।
हमारे लिए तो हम जिसे चाहते है वही सुवर्णमृग है।
कइ बार व्यर्थ चमक दमक को पाने की लालच में
सच्चा सुवर्णमृग हमारे हाथ से निकल जाता है।
मेरी गुड़िया, जीवन वन में तो ऐसे सुवर्णमृग दिखते रहेंगे,
लेकिन वह केवल देखने के लिए ही होते है।
अगर हम ऐसे मायावी सुवर्णमृग के पीछे भागते रहे तो,
कोइ अमंगल हमारे दरवाजे पर दस्तक देगा।
फिर जाने अनजाने में लक्ष्मण रेखा लांधनी पडती है,
और उसीसे पैदा होती है पीड़ा।
उंगली दिखाने का पून्य जरुर कमाना,
लेकिन उंगली दिखाकर समस्याओं को न्यौता मत देना।
इतिहास ने हमें जो सिखाया है,
उसमें से काफ़ि कुछ तो तुम्हें याद ही है।

विराट काफ़िला

बेटी, कइ बार तो फूल कागज के ही होते है,
फ्लावरवाझ में खिल खिल हंसते फूल,
लेकिन फिर भी उनका मूल्य बहुत है
क्योंकी वही फूल हमारे अंत:करण में
खुश्बू को जिंदा रखते हैं।
जैसे की तुम्हारी मां की तस्वीर
मेरा लिखा कोइ खत, हिमालय का कोइ द्रश्य,
या हरभरे मैदान के पिछे ढलते सूर्य का चित्र...
यह सब भले ही अपने मूल रुप में न हो, लेकिन फिर भी
हमारे हृदय को मूल रुप का साक्षात्कार करवाते है।
मेरी लाड़ली बेटी,
कइ बार हम कागज के फूलों की उंगली पकड कर ही,
फूलों से छलकती खाइ में, तितली बनकर उडते है।
जब सब कुछ साथ न रख सको तब,
अंश, प्रतीक, स्मरण, द्रश्य या शब्द के द्वारा
तुम अपनी यात्रा में
जीवन समृद्धि के विराट काफ़िले को साथ रखना।
मंज़िल तक पहूंचने में वह
काफी मददगार साबित होगा, मेरी लाड़ली।

पूर्णिमा और पूर्णता का सौदर्य

पूर्णिमा की रात में
सुनसान समंदर किनारे
एकांत के महाकाव्य का तुम,
कभी आनंद उठाना।
बेटी,
चंद्र के उजाले में
तीव्रतम वेग से बहती आती,
समंदर के मोतीयों की लड़ीयों को,
तुम देखती रहना।
चांदनी के पैरों से निकली पायल जैसी
आवाज की स्वरसुधा को,
तुम घूंट घूंट भर पीती रहना।
दूर दूर क्षितिज तक फैली अफाट जल राशि
और उस पर तैरती कोइ नांव
अकेली होने के बाद भी बेहद सुंदर लगेगी।
मेरी लाड़ली तू, अपने आप को पाने के लिए और..
खुद में प्रकृति के प्रगाढ सौंदर्य को आत्मसात् करने के लिए
ऐसे किसी मीठे और सुहाने पल को
अपने जीवनक्रम में ढूंढती रहना ।

शब्दशक्ति

कुछ शब्द केवल शब्द नहीं होते,
वह तो होते है ज़िंदगी का पर्याय।
किताबों में फैला हुआ काले अक्षरों का रण
हमारे मन में खिलाता है गुलाब।
बेटी, कुछ शब्द होते है, आज्ञा, विश्वास और प्रेम।
मनुष्य के दर्द के लिए वनस्पति ने दी है औषधियां,
लेकिन उससे बडी संजीवनी तो हमें शब्दों ने दी है।
दुनिया में ऐसी कइ महान महिलाओं को हम जानते हैं,
जिनके शब्दों ने बर्बरता और पीडा को,
आनंद में परिवर्तित किया है।
जिनके शब्दों ने निर्जीव प्रजा में प्राणों का संचार किया है।
कुछ ऐसे शब्द जिसने कई परिवारों को
पीढ़ीयों तक एकता में बांधे रखा,
शब्द जिसने बुझुर्गों के दिल के बुजते दीए में
फिर से रोशनी पैदा की।
जरुरत पडने पर ऐसे शब्दों को तुम,
लोगों के बीच रखना मेरी लाडली।
सच्चे और अच्छे शब्द तो
समझदारी की ड़ाली पर लगे
मीठे फल जैसे होते है।

उसमें क्या नयी बात है ?

संसारभर की बेटीयां पिछली एक सदी से
कुछ न कुछ काम कर रही है।
अपने पैरों पर खडे होने का आनंद उन्होंने उठाया है।
अपनी आवाज़ को ऊंची किए बिना,
परिवार को आर्थिक रुप से समृद्ध और संपन्न बनाना
परिवार के सदस्य का फर्ज है,
उसमें कोइ उपकार या कोइ नयी बात नहीं है।
काम से वापस आनेवाली बेटीयां
या बहुएं शाम को घर में ऐसे घुलमिल जाती है
कि वह नौकरी और काम कर रही है उसका पता ही नहीं चलता।
और इसी कारण उन्हें परिवार के सदस्यों की
ज्यादा सहानुभूति मिलती है।
यह ज़िंदगी है जिसकी कोइ निश्चित किताब या अभ्यासक्रम नहीं है।
लेकिन वक्त़ के हिसाब से
अपना अपना आपद्धर्म तय करने की
आत्मद्रष्टि कुदरत ने सबको दी है,
वैसे ही तुम्हें भी दी है।
अपने कामकाज से तू अपने सुख का निर्माण करना
क्योंकी उसी से तुम्हारा अस्तित्व धन्य होगा।

क्षण और कण

पृथ्वी के अंतरतम अमृत से ही बनते है
हमारे अन्न,
जैसे हृदय से ही संवर्धित होते है हमारे मन।
बेटी, जब उस अन्न का माधुर्य तुम्हारे हाथों
पवित्र अग्नि के संस्कार ग्रहण करेगा
तब परिवार की एक जीवनधारा निर्मित होगी।
बेटी, तुम्हारे हाथों दिये गए भोजन को
प्रभु की प्रसादी बनाने के लिए
कण कण का सम्मान और आदर करना।
जो कण की कीमत जानता है वह धनवान है
और जो क्षण की कीमत जानता है वह विद्वान है।
कण और क्षण की संपत्ति का,
तुम्हारे हाथों दुर्व्यय न हो उसका खयाल रखना।
संसार की हर बेटी को क्षण और कण के साथ,
बहुत समझदारी के साथ काम लेना होता है।
जैसे क्षण की समजदारी तू मुजसे सिखी है
वैसे ही कण कण की समझ तुने
अपनी मां से पाई है..मेरी लाड़ली।

विश्वास-श्रद्धा

मेरी लाड़ली बेटी,
उम्र के ऊंचे मुक़ाम को पार कर
जब तुम आ पहूंचोगी
किसी मंदिर की सीढ़ीयों पर
तब थोडा चलकर
आराम के लिए रुकते वक्त़
तुम्हें सबसे पहले याद आयेंगे
तुम्हारे दादा और दादी,
जिनकी उंगली पकडकर
तू मंदिर जाती थी।
फिर तुम्हारी उंगलियों में होंगे तुम्हारे ख़्वाब,
जो तुम्हारी गोद में खेलकर पल रहे होंगे।
वह वर्ष तुम्हारी श्रद्धा की परीक्षा के होंगे।
यौवन में विश्वास की कसौटी होती है,
और आगे चलकर श्रद्धा की कसौटी होती है।
जो लोग पहली कसौटी पार कर जाते है,
वही लोग आसानी से श्रद्धा के तीर्थ पर
अपनी पताका लहराते है।

कार्य और कर्म

जैसे कोइ
नदी खुद पानी नहीं पीती,
कोइ पेड
खुद फल नहीं खाता,
उसी तरह
मेरी लाड़ली,
सज्जन और सन्नारीयां
अपनी जिंद़गी की
श्रेष्ठ उपलब्धियों को
सब के बीच बांटने के लिए उत्सुक रहते है।
परोपकार जब तक हमारा स्वभाव या
आदत न बने तब तक,
हमारी सारी सेवाएं केवल
कार्य बनी रहती है।
कार्य और सेवा के बीच का भेद
तुम अच्छी तरह जानती हो मेरी बेटी।
कार्य तो छोटा सा काम है,
और सेवा हमारा जीवन कर्म है।

अलंकार का वैभव

मेरी लाड़ली बेटी,
अलंकार सुंदर होते है,
मनोहर और प्रिय होते है।
अलंकारों से शोभित होता है तुम्हारा अस्तित्व।
देवों और देवीओं को भी अच्छी लगती है
अलंकारों की अभिव्यक्ति!
उससे अभिव्यक्त होता है,
हमारा रुप और स्वरुप।
जैसे अलंकारों से शरीर की शोभा बढती है,
वैसे ही सदगुणों से
आत्मा की शोभा बढती है।
मेरी लाड़ली,
हमारे शुभ वचन और अच्छा व्यवहार ही
हमारी आत्मा का अनुपम सौंदर्य है।
तू बाहर और भीतर दोनों तरफ से
अलंकारों को धारण कर
अपने अस्तित्व को महकाती रहना।

मेरी लाड़ली बेटी को

पुष्पमाला की ओर

मेरी लाडली,
जिसे पंख है उसे आकाश का डर क्या ?
जिसे तैरना आता है उसके लिए तो जल ही जीवन है।
सुवर्ण को कसौटी की क्या चिंता ?
किसी की भी परवा किए बिना
हम अपनी योग्यता को बढाते रहे तो,
आनेवाला वक्त मांगलिक बन जाता है।
जब हमारी आत्मा का विकास रुक जाता है तब,
घडी की सूइयां उल्टी घूमने लगती है।
जो महान लोग ,
किसी भी तरह की अनुकूलता के बिना
विकास की राह पर चलते रहे
उन्हें तू हमेशा याद रखना।
केवल कहानी में ही नहीं
पर ज़िंदगी में भी
धीरे धीरे ही सही लेकिन
नियमित और निश्चित दिशा में गति करनेवाले कछुए
तालीयों की गूंज और फूलों के हकदार बनते है।

घूंघट के पीछे की कथा

बेटी, मैं नहीं चाहता की तुम्हारा व्यक्तित्व कहीं विलीन हो जाए,
वह जीवनभर के लिए संभलता रहे उसका मजा कुछ और ही है।
पति और बच्चों में अपना अस्तित्व लुप्त कर देनेवाली
औरतों से यह संसार धन्य है।
उनके होठ हमेशां बंद है और
वह हर घर पर स्थापित सेवा की मूर्तियां ही है।
पिछले हजारों सालों से घूंघट के पीछे की यही कहानी है।
लेकिन मेरी बेटी, तू अपने पति और परिवार की सेवा करने में,
तुम्हें जो पसंद हो वह गीत अगर भूल जाओगी
तो मुजे अच्छा नहीं लगेगा।
तुम्हें पसंद हो वह चित्र, आकाश में चमकते तारे,
तेरे गले से झरने की तरह बहता आलाप,
तेरी पसंदीदा किताब और पसंद की कविता,
इन सबको शादी के पवित्र अग्नि में मत जलाना,
शादी तो तुम्हारे व्यक्तित्व और अस्तित्व को,
ज्यादा प्रकाश देने का एक राजमार्ग है।
उस प्रकाश में झिलमिलाएगा तुम्हारा परिवार।
तुम्हारा व्यक्तित्व जीवन भर बना रहे,
विकसित हो, शोभित हो, ऐसी मेरी कामना है।

मेरी लाड़ली बेटी को

सांप-सीढ़ी

प्यारी बेटी,
मैंने कइ बार तुम्हारी ज़िंदगी की कल्पना की है,
कांटे न हो और केवल गुलाब के फूल हो,
रण न हो केवल समंदर हो,
एक ऐसी दुनिया जिस में हम सांप सीढ़ी का खेल खेले
लेकिन उसमें साप न हो, केवल सीढ़ीयां हो,
दु:ख का मतलब कोइ जानता ही न हो।
लेकिन यह तो केवल कल्पना ही है बेटी,
हकीकत में तो जीवन विष और अमृत का संयोजन है,
उसमें गुलाब भी है और कांटे भी है,
समंदर भी है और रण भी है,
सीढ़ी है तो सांप भी है।
हम कइ बार संजोगो को दोषी मानते है
लेकिन हकीकत में तो
हमारी पसंद ही उसके लिए जिम्मेदार होती है।
हमारे पसंद किए रास्ते ,
सीढ़ीवाले हैं या सांप वाले, गुलाब वाले है या कांटो वाले,
वह तो हमें ही तय करना है, बेटा।

मेरी लाड़ली बेटी को

बारीश और तू

मेरी प्यारी बेटी,
मुजे याद है की,
तुझे बारिश का मौसम बहुत अच्छा लगता है।
पहली बार मैं तुझे गोद में उठाकर
बरसती बारिश में ले गया था तब,
आकाश से बरसते अमृत को
अपनी पलकों पर झेलते वक्त
तुम्हारी आंखे टीम टीम होने लगी थी।
और घर में आकर तुम्हारी मां ने
तुम्हें तौलिये में लपेटकर उठा लिया था,
लेकिन तुम्हारा हाथ तो खिड़की से बाहर
गरजती बारिश की बूंदो की ओर ही था।
सच ही तो है की प्रकृति
हर एक कृति को आकर्षित करती है।
मैं जब जब आकाश में मंडराते
काले काले बादलों की सेना को देखता हुं तब,
मेरे हृदय में बरसने लगती है,
तेरे बचपन की भीगी भीगी यादें।

मेरी लाड़ली बेटी को

हराभरा अनुभव

मेरी प्यारी गुड़िया,
दूर दूर तक पृथ्वी पर
हरे रंग का प्रलय हो तब,
अपनी आंखो को दौडते हुए
हिरन की तरह,
दूर क्षितिज तक खेलने देना।
चार दीवारों की जेल से बाहर,
कुदरत की बिछाइ
हरियाली पर कदम रखने का
सौभाग्य सबको भले ही न मिले,
पर वक्त निकालकर
पहाडों की गोद में छिपे गांवो में,
तु हरेभरे परमतत्व का
अपनी नजरों से जरुर देखना,
क्योंकी हमारी रोजमर्रा की
ज़िंदगी के हीरे मोती परखने की गुरुचाबी
उस विराट और अनमोल कुदरत के पास ही होती है।
हरे-भरे कुदरत की निकटता के बिना,
इस संसार की धूप को कैसे झेलेंगे ?

मेरी लाड़ली बेटी को

मन डांवाडोल होगा

मेरी प्यारी गुड़िया,
मैं जानता हुं की वह पल भी आएगा जब,
छोटे रास्ते तुझे आवाज देंगे,
तेरे साथी तुझे
यात्रा अधूरी छोडने का सूझाव देंगे।
केवल स्वार्थ का पागलपन
तुम पर सवार होगा,
मन डांवाडोल होगा,
लेकिन तब तुम
अपनी आत्मा के आवाज के उजाले में,
अपने ध्येय की ओर आगे बढते जाना।
बेटी, तू वहां पहूंचेगी
जहां सब तुम्हारा स्वागत करने के लिए उत्सुक होंगे,
जिन सिद्धिओं की शायद ही किसीने कल्पना की होगी,
उसे तू प्राप्त करेगी,
और
बेटी, उसके परिणामों के अमृत फल
तू सबको बांटती रहना।

मेरी लाड़ली बेटी को

सांझा सुख

केवल सुखी होना ही हमारा ध्येय नहीं,
पर हमारे सुख में
ज्यादा से ज्यादा लोगों को
शामिल करना हमारा ध्येय है ।
केवल सफल होना ही हमारा लक्ष्य नहीं,
लेकिन हमारी सफलता किसी न किसी रुप में
परिवार, समाज, राष्ट्र और
समूची मानव जाति की सफलता बने
यही तुम्हारी और मेरी अभिलाषा है।
तुम्हारी हर गति, प्रगति बने,
हर प्रवास यात्रा बने,
अन्न का हर कण प्रसाद बने,
सवाल पैदा होने के साथ ही उसका जवाब मिले,
इसके लिए तू तप करती रहना।
यह जगत हर दिशा से शांत हो जायेगा तब,
पृथ्वी कितनी मनोहर लगती होगी!
पृथ्वी वासीओं के लिए
सोने का सूरज उगने के इस क्षण की
तू कल्पना करती रहना।

तुम गिरते गिरते बच जाओ तब

कुछ लोग मानते हैं कि वह है
और कुछ लोग कहते है वह नहीं है।
लेकिन बेटा,
उस परमतत्व के गान के बिना तो,
यह सृष्टि विरान होती !
उसका अनुभव तुम कई बार कर सकोगी।
कोइ अनजाना जब तुम्हारे साथ
अपनों सा ही व्यवहार करे,
तब तुम परमतत्व को याद करना।
कोइ खोइ हुइ चीज जब वापस मिल जाए तब,
उसमें भी तू उस रहस्यमयी मददगार को देख लेना।
कभी गिरते गिरते बच जाओ तब,
आकाश की ओर देखकर,
तू उसका धन्यवाद अदा करना,
जिसने तुम्हारा और मेरा अस्तित्व
इस पृथ्वी पर बनाए रखा है।
जो है वह तो है ही, मेरी बेटी
और जो नहीं है, वह है ही नहीं।

शादी-लगन

मेरी प्यारी गुड़िया
शादी कोइ अनिवार्य जीवनशैली नहीं है,
लेकिन दुनिया के ज्यादा से ज्यादा दंपतियों ने
शादी का सफलतापूर्वक स्वीकार किया है।
आखिर तो हर दंपति को मिलजुलकर, शांति से
खुद ही सुलझाने और ढूंढने होते है,
सुख शांति के राजमार्ग।
उम्र शादी करने की कोइ सच्ची समयसारणी नहीं है।
बेटी, तुम अपने अंत:करण को सूनोगी तो,
तुम्हें सच्ची राह मिलेगी।
और हां..जिस तरह से तुम अपनी पसंदीदा बातों के बारे में,
घरवालों को सब बताती हो,
वैसे ही अपने मन के राजकुमार के बारे में भी,
सविवेक बता सकती हो।
बेटी, कहानी का राजकुमार घोडे पर बैठकर,
स्वप्न परी को साथ ले जाता है,
यह रोमांच, कहानी में सच्चा और अच्छा लगता है,
लेकिन ज़िंदगी के रंग तो इससे बिलकुल अलग ही है।
बेटी, अपने निर्णय तू केवल जज्बात से ही नहीं,
लेकिन बुद्धि से भी लेगी तो,
मुझे और हम सबको बहुत अच्छा लगेगा।

आगे कदम

मेरी प्यारी बेटी,
मैंने कभी किसी पंछी को,
पेरेशुट लेकर उडते हुए नहीं देखा।
मैं उन सभी लोगों को महान मानता हुं,
जो वापस लौटने की राह को तोड़कर आगे बढते है।
केवल पहाड या आकाश की ही नहीं,
ज़िंदगी की ऊंचाइ भी,
साहसिकता और निर्भयता की कामना करती है।
बेटी,
तुम अपने आप को हर तरह से
भयमुक्त महसूस करना।
सफलता के लिए तुने अपने आप को तैयार किया है।
सफलता के लिए
तू सत्य प्रमाणित साहसिकता की राह चूनना।
हमें कभी पिछे नहीं लौटना है,
नदी और झरनों ने
यही बात सदीयों से हमें बताइ है।
अब केवल.. आगे कदम,
आगे कदम, आगे कदम।

श्वास और विश्वास

मेरी प्यारी गुड़िया,
अगर कभी मेंहदी का रंग
फिका पड जाए तो पडने देना,
लेकिन अपनी जिम्मेदारी के काम कभी मत भूलना।
जो काम पूर्ण हो जाते है वही हमें आराम देते है,
बाकी रह गये काम से थकान महसूस होती है।
बेटी, तुज पर रखे विश्वास की चमक,
जिनकी आंखो में चमक रही है,
उस चमक का,
तू हीरे की तरह जतन करने के लिए,
अपने सारे सुखों का बलिदान भी दे देना
पर अपने विश्वास को टूटने मत देना
क्योंकी यह संसार,
श्वास और विश्वास
दोनों पर ही चल रहा है, मेरी बेटी।
मैं भी तेरे विश्वास पर ही,
इस श्वास का आस्वाद ले रहा हुं।
बेटी, यह ज़िंदगी, विश्वास का ही दूसरा नाम है।

जीवन से जीवन का निर्माण होता है

मेरी प्यारी गुड़िया,
जीवन से ही जीवन का
निर्माण होता है।
तु अपने बाद की पीढ़ी को
उपदेश देने के बदले
अपना द्रष्टांतरुप जीवन
उनके सामने रखना।
केवल किताबें,
बातें या कोरे विचारों के बदले
एक द्रष्टांतरुप जीनेवाली ज़िंदगी
उन्हें अधिक बोध देगी।
बेटी,
ज़िंदगी स्वयं एक पाठशाला है,
तुम उस पाठशाला से,
सिखते रहना और सिखाते रहना।

मेरी लाड़ली बेटी को

सपनों की परवरिश

जैसे किसी पेड की परवरिश होती है,
वैसे ही होता है सपनों का विकास।
मेरी प्यारी गुड़िया,
सपनों के अंत का मतलब है
जीवन का अंत।
तू सपने देखना और
उन सपनों को हकीकत में
बदलते सिखती रहना।
सपना हमारी आंख का ही नहीं
लेकीन जीवन का सौंदर्य है।
इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर लिखे,
सारे पराक्रम और सिद्धियां
साकार होने से पहले
किसी की आंख में
सपना बनकर छिपे होते हैं।
मेरी लाड़ली,
तेरे सपने इस सृष्टि को
ज्यादा विकसित, सुंदर और उष्मापूर्ण बनाएंगे।

कोरी बुद्धि का क्या काम ?

मेरी प्यारी गुड़िया,
इस संसार में ऐसे कइ बुद्धिमान है
जो अपनी बुद्धि को रण की तरह विस्तारित कर रहे है।
लेकिन भावनाओं की बीरड़ी से पानी निकालना भूल जाते हैं।
बुद्धि से मिलती है
तेजस्वीता, प्रभाव और सफलता।
लेकिन मेरी गुड़िया,
जीवन का पूर्ण मेघधनुष तो
भावनाओं के द्वारा ही रचा जा सकता है।
ऐसे भावनाविहीन या भावनाओं की अपूर्णता से बने,
बुद्धियोग से तू अपने आप को बचाकर रखना।
भावनाओं का प्रदेश हृदय में होता है,
वह जब अनजान और यातनाग्रस्त लोगों के लिए,
धडकने लगता है तब,
हम भावनाओं के सच्चे प्रदेश में प्रवेश करते है।
कुदरत हम से जितना प्यार करती है,
उतना ही प्यार और बर्ताव हमें दूसरों से करना चाहिए।
बुद्धि की निष्ठुर प्रतिमा बनने के बदले,
तू भावनाओं का छोटा सा फूल बनना, बेटा।

मेरी लाड़ली बेटी को

दीपक और सूर्य

मेरी लाडली बेटी,
देश में या परदेश में
तू अपने अंतर में
संस्कार का दीपक बुझने मत देना।
और
अगर किसी तूफ़ान में वह बुझ जाए
तो उसे फिर से प्रकट करना,
क्योंकि उजाला फैलाने के लिए
कभी देरी नहीं होती।
उस एक दीपक से तू
अनेक दीपक जला सकेगी।
हजारों सूर्य होंगे फिर भी,
उससे एक दीपक नहीं जलेगा,
लेकिन एक दीपक से
हजारों दीपक जल सकते है।
तेरे हृदय को प्रकाश देने वाला वह दीपक,
पूरे संसार को प्रकाश देने का सामर्थ्य रखता है,
दीपक कभी छोटा नहीं होता, बेटी।

धन्यवाद

★ मेरी पत्नी प्रीती, पुत्री नेहा, भतीजी स्नेहा का जिन्होंने इस पुस्तक को सुंदर बनाने में सुझाव दिए है।

★ मेरी पुस्तक प्रेरणा का झरना पढकर ऐसी अच्छी सकारात्मक दूसरी पुस्तकों की माग करनेवाले असंख्य पाठकों का।

★ श्री डी. एल. पटेल, (टस्टीन, केलिफॉर्निया, यु.एस.ए) जिन्होंने मेरी हर पुस्तक को अमरिका में फैलाने में सहयोग दिया है उसके लिए

Dr. Jeetendra Adhia's

Mind Training Institute

Many different courses and clinics related to mind, body, success, happiness and spirituality under one umbrella by trained faculties in ISO 9002 Certified Institute in the heart of Ahmedabad city.

Courses

- Mind Mastery
- Hypnosis
- Money
- N.L.P.
- Health and Healing
- Anger Management
- Visualization
- Transaction Analysis
- Train the Trainers Training
- Train the Writers Training
- Public Speaking
- English Speaking
- Personality Development
- Relationship
- Super Power Memory

Mind Power Clinic

- Confidence Building Clinic
- Anger Management Clinic
- Phobia Clinic
- Garbh Sanskar Clinic
- Positive Health Clinic
- Enjoy Exam Clinic
- Sound Sleep Clinic
- Painless Delivery Clinic
- Coronary Reversal Clinic
- Weight Balancing Clinic
- Spiritual Healing Clinic
- Power Vision Clinic
- Relationship Repair Clinic
- Past Life Regression Clinic
- Hypnotheraphy Clinic

Counseling for any of your personal problem
on one to one bases with Dr Adhia and his team.

Also learn all these subjects personally
on one to one bases from Dr Adhia with prior appointment.

Please visit us for details either personally or
on our website **www.mindtraininginstitute.net**

Location : 404, Legacy, Above: Nissan Show Room,
IIM ATIRA Road, Panjarapole Cross Road,
Ahmedabad-380015, Gujarat, India
Phone: +91 79 2630 2660/61

Timmings : 10 a.m. to 6 p.m. Monday to Saturday

Dr. Adhia's Products

	Books	Language
1.	Prerna Nu Zarnu	Guj./Hindi/Eng./Telugu/Bengali/Marathi
2.	Man Ane Jivan	Gujarati/Hindi
3.	Mann Na Moti	Gujarati
4.	Sneh Nu Jharnu	Gujarati/Hindi
5.	Stree	Gujarati
6.	Memory	Gujarati/Hindi/English
7.	The Gift	English
8.	Visulisation	Gujarati/Hindi
9.	T.A. Shikho Jindagi Jito	Gujarati/Hindi
10.	Dhanvan to Banvu J Joie	Gujarati/Hindi
11.	Depression	Gujarati/English
12.	9 Ways to Manage Your Anger	English
13.	N.L.P.	English
14.	Goal Setting and Achieving	Gujarati/English
15.	Leadership Etle	Gujarati
16.	You can be responsible	English/Gujarati
17.	Powers of Your Mind	Hindi + Eng.
18.	Subconscious Mind Says	Gujarati/Hindi
19.	How to choose a life partner?	Guj + English
20.	Kshan ne Sachavo	Gujarati
21.	Mari Vahli Dikri Ne	Gujarati/Hindi
22.	Mara Vahla Dikra Ne	Gujarati/Hindi
23.	Mari Vahli Patni Ne	Gujarati
24.	Mari Vahla Vidhyarthi Ne	Gujarati
25.	Prayer of Mind	Gujarati/Hindi/Marathi/English
26.	Yauvan Ni Prarthna	Gujarati
27.	Matru Vandana	Gujarati/Hindi
28.	Pitruvandana	Gujarati/Hindi

	New Arrival	Language
1.	Lokona Man Jitvani Kala	Gujarati/Hindi
2.	Promise	Gujarati
3.	Habit of Going Extra Mile	Gujarati/Hindi
4.	Ekrar	Gujarati/Hindi

	Coming Soon	Language
1.	Confidence	English/Gujarati/Hindi
2.	Telepathy	English/Gujarati/Hindi

	Audio CDs	Language
1.	Relaxation	Gujarati/Hindi/English
2.	Alpha Music	Gujarati/English/Hindi
3.	Man No Mahamantra	Gujarati
4.	Prayer of Mind	Gujarati/Hindi/English
5.	Subconscious Mind Says	Gujarati/Hindi
6.	Das Kadam Diamond Ke	Hindi
7.	Insurance Agent's Relaxation & Guided Visualization	Hindi
8.	Score More (Guided Visualization for Students)	Hindi

	Audio Book	Language
1.	Man ane Jeevan	Gujarati/Hindi
2.	Visulisation	Gujarati/Hindi

Poster ..... **Language**

E.Q., I.Q., S.Q. – Car – Cheque – Tathastu – Marksheet – Goal Chart

	Video CDs / DVDs	Language
1.	Spring of Inspiration DVD (6 Hrs.)	Gujarati/Hindi/English
2.	Prerna Ka Jharna DVD (1 Hr.)	Hindi
3.	Yadshakti Na Rahasyo DVD	Gujarati
4.	Prem Na Panthe VCD	Gujarati

Products Outlets

Available at **A.H. WHEELERS** Book stall
at all Railway Stations of India and S.T. Stands of Gujarat
All Gujarat CROSSWORD Branch

AHMEDABAD - 079
Rudra Book Shop : 25-B, Govt.Co-op. Soc., Navrangpura, M : 98259 25947
Mind Training Institute : 404/B, Legacy, Panjarapol Cross Road 26302660/61
Adhia Academy : 204, Sunrise Complex, Vastrapur, Ahmedabad. 4003 5153
R.R. Sheth & Co. : Khanpur, Tel.: 2550 6573, 2550 1732
Ajay Publication : Aaradhna Comm. Centre, Relief Road, M. 98251 50562
Rupali Book Centre : K.B. Comm. Complex, Khanpur, Tel.: 2550 44 43
Hitesh Gandhi : Nr. Thakorbhai Desai Hall, Law Garden, Tel.: 26638773
S.T. Book Stall 1 & 4 : Gita Mandir S.T. Stand, M. : 98249 75562
Gujarat Pustakalaya : 11, Ellora Comm. Centre, 2550 6973, M. 98984 67262
Uzma Publication : 12, Faiz Complex, Khanpur, Tel.: 25500790
Mosinbhai : Aastodiya, Tel.: 25350794
Vijaybhai Dobariya : Gurukul, Memnagar, Ahmedabd 098256 86900
New Prakash Book Depo : Gokul Complex, Ellisbrdige, 079-26422111
Saurashtra Staionary : Bipin Patel 9824253141 Bapunagar

ANAND - 02692 and VALLABHVIDYANAGAR
Chandan General Stores : Station Road, Anand Tel. 2660 60 99250 99590
Ambica Book Store, Nana Bazar, V.V. Nagar M 9825545261
Pustak Mahal, Nana Bazar, V.V. Nagar 9924812095, 9409012868
Pandya & Sons, Mota Bazar, V.V. Nagar 9974598026
A. H. Wheeler & Co. Pvt. Ltd. Book Stall Railway Station, 9737765438

Ajay Book Stall, "Krishna Kunj", Nr. Mota Bazar, Vidhayanagar, 99254413936

ANKLESHWAR **A. H. Wheeler (Ankleshwar)** C/o. Railway Book Store 9428685597
BARDOLI - 02622
Ramesh Traders : Sardar Baug, Opp. College, Tel.: 22 78 84

BARODA - 0265

Gujrat Pustakalay Sahakari Mandali
Popular Book Centre : O/s. Yuvraj Hotel, Nr. S.T. Stand, Tel.: 279 44 24
The Allies Stores, Opp. Jubilee Gardern, Baroda, 9537648491
Sagar Book Publishers, 101-102-104, "Sukhdham Compex",
Mira Datar's Tekro, Navabazar, Baroda. 9979322746, 9879402375
Acharya Book Depot, Opp. Gandhi Nagar Gruh, Baroda. 9824286729
GangaSagar Pustakalay, Jagdish Lojni Bajuma, 9067115757, 8530151920
Maneesh Book Shop, 7, Payal Complex, Opp. M.S. University, 9898522447
Shreenath Newspaper Agency, Raopura, Baroda-390001 9898240228

BHARUCH - 02642
A. H. Wheeler Railway Station, Bharuch 9723268037
Prajapati Book Store, 9879237236, 9898214517, 9898368426
Harilal Maganlal & Co., Katopore Gate, Bharuch - 392001 9227135356
Thakkar Book Depot, M. 9228299695, 9228176199
BHAVNAGAR - 0278
Kitab Ghar : High Court Road, Tel.: 5213257 M.: 98983 97271
Prasar : Rupani-Atabhai Road, **Lok Milap :** 1565, Sardar Nagar, Tel.: 256 64 02,
S.T. Stand Book Stall : S.T. Stand
BHUJ - 02832 Sahajanand Rural Trust : *G.M.D.C. Guest House, M.: 9825227509*

Bilimora - 2634 **Arjunsinh Engineer :** M. : 9998045188

GANDHINAGAR - 02712

Hariom Stationery : BG Dist. Shopping Centre, Sector-21, M.: 99244 55882

HIMMATNAGAR - 02772 **Pravinsinh Zala :** (M) +91-91734 18280

JAMNAGAR - 0288

School Point : Nr. St. Xaviers High School, M.: 98980 71514

Kirit Bhatt : Manu Farsan : Bardhan Chowk, Tel.: 2675512, 9898574748

JETPUR - 02823 **Vidya Book Store :** Opp. Central Bank Tel.: 221516

JUNAGADH - 0285

Kesari News Agency : Kalva Chowk, Tel.: 265 09 43, 265 48 19

Prerna Nu Jharnu Sahitya Book Stores : Mira Complex, M.: 98242 11446

LIMDI - 2752

Darshan Hotel : National Highway,

Jamuna Hotel : Nr. Jamuna Hotel, National Highway M.: 98248 13804

MEHSANA - 02762

Dinesh Prajapati: 44, Aashadipa Soc., Opp. Nirma Factory, M.: 94260 86244

Gujarat Pustakalaya : 1, Sardar Shoping Centre, Tel.: 252 426

Piyush Pustak Bhandar : Nr. S.T. Stand, 220350, (M) 98258 88 778

NADIAD - 0268

Mohmadbhai, S.T. Bus Stand, Nadiad 9974336344

Honey Book Centre, Old Bus Depot, Nadiad 9277951521

A. H. Wheeler & Co. Pvt. Ltd. Book Stall Railway Station, 9737765438

Student Book Stall, 13-14, Chankya Complex, Nadiad 9825438399

NAVSARI - 02637

Mansukhlal & Sons, Dudhiya Talav Road, Navsari 9428163480

College Store, Topiwala Mansion, Opp. Garda College, 9825099121

New College Road, 1, Dadabhai Navroji Shoping Centre, 9898215999

Shah Chatrabhuj Nanchand, Mota Bazar, Navsari 9879199651, 9727840900

PALANPUR - 02742

Treasure : Jivan Jyot Bldg, Jahanara Baug Road, Tel.: 225 13 20

Killol Enterprise : 106, White House, Tel.: 25 56 96 M.: 94263 88053

PATAN - 2766 **Modern Book Stall :** Opp. Bus Stand, Tel.: (O) 220129 (R) 22 10 09

PORBANDAR - 0286 **Jayendra Chotai :** Manish Stores, M. 99790 11011

RAJKOT - 0281

Johar Cards : 'Hasnain' Dr.Yagnik Road, Tel.: 246 22 52, M : 98242 10492

Pravin Pustak Bhandar : Opp. Rajkot Mun.Corp., Tel.:232460, 234602

Rajesh Book Shop : Yagnik Road, M.: 99241 33519

Bharat Book Store: Yagnik Road, Tel.:2465148

Ravi Prakashan : Yagnik Road, Tel.: 246 06 25, 248 34 90

Old & New Book Stall : Yagnik Road,

Rajesh Book Stall : Opp. Lodhawad Police Chowky, Tel.: 2233518

Minerwa Footware : Dharmendra Road, M.: 9898119097

Sanjeevani Ayurvedic Store : 2, Siddhnath Complex opp. Jivan jyot School,University Road Rajkot: Ph:9879878328,02812583755

SURAT - 0261

Gajanan Pustkalay : Opp Commerce House, Tel. : 242 42 46, M : 98244 83772

Gajanan Book Depot : Tower Road, Tel. : 2365 49 21 M : 98797 40059

Panvala Stores : Lal Gate, Musha Chasmavalani Gali, Tel. : 243 71 55

Surat Book Centre : 9/48, Kotsafil Road, Opp. Dena Bank Tel.:243 69 11 M.: 98790 44220

Surat Book Stall : M.: 98790 44220

Book Smart : Sharon Plaza, Ambika Niketa Busstop, Tel: 222 33 64
Book Point, 41-42-43, Shreeji Arcade, B/h. Bhulka Bhavan School, Anand Mahal Road, Adajan, Surat. 9825803654
Sahaj Super Store Pvt. Ltd., Anand Mahal Road, Adajan. 9998989661
Padmavati Stationary, B-301, Arihant Residency, Adajan. 99913097383
Book World, E-42, Kanak Nidhi, Opp. Gandhi Smruti, Nanpura. 9825008182
The Popular Book Centre, 16, Jolly Plaza, Athawa Road, 9825519002
Lucky Book Store, Shop No-1, Omet Huse, Athawa Gate Surat 9825483447
Indira Book Stall, Nr. Jain Dharmshala, Opp. Railway Station, 9879193114
Ghanshyam Book Depot, 4/829, Tower Road, Surat 9825110708
Sainath Book Stall, Surat Central Bus Station, Surat 9825536436
Harihar Pustakalya, 4/816/817, Tower Road, Opp. GPO Surat 9825636483
Dev Enterprise, Surat 9725608089

VALSAD - 02632

Rangeela Stores:12 Trade Centre, Station Rd., P : 245708 , 9825731218
Bulsar Book Store, 6-7, Gumahor Appt, Opp. Riddhi Siddhi Aptt., Valsad 9825146263
ST Book Stall, Valsad 9173359444, 9825130538
Mahavri Sales Corporation, Opp. Town Hall, Valsad 9825041364, 9909570698
Mahalaxmi Stores, 4, Akashganga, Opp. Bai Avabai Highschool, Halar Road, Valsad 9978759592
Prajapati Books Sotres, Opp. Bai Avabia Highschool, Valsad 9638206125
Deep Xerox & Gen. Store, ST Depot Road, Dharampur, Valsad 9909079590

VAPI - 0260

Crossword, 2nd Floor, Vikas Textorium, Nr. Upasana School, Gunjan, GIDC, Vapi. 6444066

Maruti Book Stores, 8, Tejal Complex, Nr. Ambamata Mandir Koparli Road, GIDC. Vapi 9428065789, 9428715033

DELHI - 011 Arunbhai Saraf M. 9958098076

INDORE-0731 Parasbhai M. 93000 30005, 93000 30008

JABALPUR - Sanjiv Ray M. 9617744721

JAIPUR - 0149 (RAJASTHAN)

Rajesh Manish Agency : G-3, B-11, Mayur Tower, Nehru Bazar, Tel. : 232 60 19 M.: 98291 39626

Madhya Pradesh (M.P.) - Madhavray M. 9755655368 Dindori

MUMBAI - 022 (MAHARASHTRA)

R.R. Sheth & Co. : Princess Street, Tel. : 2201 3441, 2205 8293
Mahavir Book House : 164, D.N. Road, Opp. VT Station, M.: 98210 23169

KOLHAPUR

Vitthal Kotekar : M.: 99211 11665

NASIK - 0253 **World of Winner :** 12, Steem Tower, Ambedkar Road, M.: 9921332766

NAGPUR - 0712 **Shri Jalaram Medical Stores :** Darodkar Square, Tel. : 276 81 95

PUNE - 020 **Vijaybhai :** 303, CV Prestige Classes, M. 93262 74507
Kumar Marketing : 16-15, Sukravar Peth, Bhorialli, Shubhansha Dargah, M.: 94220 23160

RAIPUR - 0771 (CHATTISGADH)

Bhupeshkumar Varu : Parag Hospital, Fatadi, Tel.: 2262700 M.: 9425201143

KOLKATTA - 033 **Shyam Modi :** Tel.: 98300 43813

हमारे हिन्दी में नयें प्रकाशन....

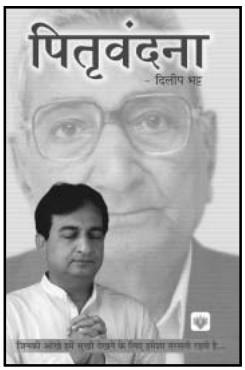

जिनकी आंखे हमें सुखी देखने के लिए हमेशा तरसती रहती है....

₹ ३५

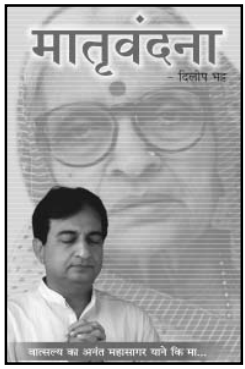

वात्सल्य का अनंत महासागर याने कि मां...

₹ ३५

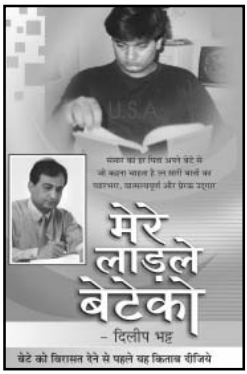

बेटे को विरासत देने से पहले यह क़िताब दीजिए ।

₹ ६०

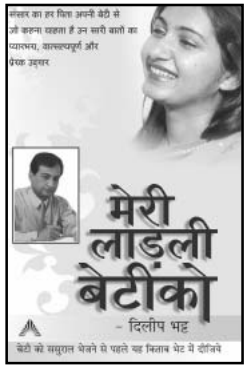

बेटी को ससुराल भेजने से पहले यह क़िताब भेट में दीजिए ।

₹ ६०

Buy Online www.clickabooks.com

HOME DELIVERY (Anywhere in India)

Tel.: (O) 079- 2644 7393 • 4003 5153 (10 a.m. to 6 p.m.)
M.: 99241 43847 • 99258 11737 • 99241 43545

Home Delivery at Navsari, Valsad, Dharampur, Vapi M. 9725608089
Jamnagar M. 9879236759

: Bombay :

Bharat Chotai : B-404, Chanakya Bldg., Mahavir Nagar, Kandivali (W), Tel. 2967 1229 • M : 98212 95281 • 98692 75439

Jatinbhai Shah : Malad, Mumbai M : 93222 11594

Dear Readers :

If you have any question or suggestion,
Please call on 9825925947 or mail on rudrapublication1@gmail.com